इरेडा के सीएमडी ने "एमएसएमई बैंकिंग कॉन्क्लेव 2022" को संबोधित किया

इरेडा अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए एमएसएमई को ऋण सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 2022

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास ने आज "एमएसएमई बैंकिंग कॉन्क्लेव 2022" में बोलते हुए आश्वासन दिया कि इरेडा अक्षय ऊर्जा सेक्टर में ऋण की सुविधा देकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

माननीय केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, डॉ. भागवत कराड "एमएसएमई बैंकिंग कॉन्क्लेव 2022" में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिसका आयोजन एमएसएमई बिजनेस फोरम इंडिया द्वारा किया गया था। डॉ. कराड ने अपने संबोधन में, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए इरेडा के प्रयासों की सराहना की।

सभा को संबोधित करते हुए, इरेडा के सीएमडी ने कहा कि जबकि एमएसएमई, कंपनी की कुल ऋण परिसंपत्तियां 33,884 करोड़ रुपए का केवल 1.86% का प्रतिनिधित्व करते हैं (मई 2022 को समाप्त), इरेडा द्वारा आरई क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए एमएसएमई की समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य एमएसएमई की महत्वपूर्ण भागीदारी के बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए, एमएसएमई के प्रयास आत्मनिर्भर भारत के एक महत्वपूर्ण माध्यम होंगे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत गैर-जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा के 50% की हिस्सेदारी और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित वर्ष 2030 की समय सीमा से पहले 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर लेगा।

इरेडा के सीएमडी ने कहा कि एमएसएमई उद्यमियों के लिए एक प्रमुख बाधा किफ़ायती ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त करने में असमर्थता है, लेकिन इरेडा ने "व्यापार करने में आसानी" (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को ध्यान में रखते हुए, फेसलेस ऋण स्वीकृति और संवितरण, समयबद्ध ऋण स्वीकृति, प्रलेखन और संवितरण चक्र के मामले में काफी सुधार किया है और साथ ही देश में अपना विस्तार किया है।

श्री दास ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कोविड महामारी की दूसरी और तीसरी लहर के बावजूद , इरेडा ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कर के बाद 634 करोड़ रुपए का ऐतिहासिक सबसे अधिक वार्षिक लाभ (पीएटी) और कर पूर्व लाभ (पीबीटी) 834 करोड़ रुपए अर्जित किया। इस आधार पर इरेडा ने वित्तीय वर्ष 2020-21 की तुलना में क्रमशः 82.88% और 46.41% की भारी वृद्धि दर्ज की। इरेडा ऐसा पहला सीपीएसई है जिसने कॉरपोरेट गवर्नेंस के उच्चतम मानकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करते हुए 30 दिनों में अपने लेखा-परीक्षित वित्तीय परिणामों को प्रकाशित किया है। उन्होंने फिर से पुष्टि की कि कंपनी आरई परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के माध्यम से कार्बन डाईऑक्साइड (CO2) उत्सर्जन को कम करके जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को दूर करने और प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।